प्रेस विज्ञप्ति.

भारतीय ज्ञान पद्धति और मानसिक स्वास्थ्य पर आईआईटी मंडी की अभूतपूर्व कार्यशाला

संस्थान का लक्ष्य समाज के हित में भारतीय ज्ञान पद्धति और मानसिक स्वास्थ्य पर शैक्षिक प्रोग्राम शुरू करना है। मुख्य लक्ष्य भारतीय ज्ञान पद्धति को बकायदा वैज्ञानिक शिक्षा का रूप देना है।

मंडी, 28 मार्च 2022 : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी भारतीय ज्ञान पद्धति (आईकेएस) और मानसिक स्वास्थ्य के बारे में विद्यार्थियों, शिक्षाविदों और इस क्षेत्र में कार्यरत लोगों को अनुभव आधारित अनुसंधान की अंतर्दृष्टि प्रदान करना चाहता है। इस लक्ष्य की ओर अग्रसर संस्थान ने आईआईटी मंडी आईहब और एचसीआई फाउंडेशन के साथ मिल कर 25 से 27 मार्च 2022 तक 'भारतीय ज्ञान पद्धति (आईकेएस) और मानसिक स्वास्थ्य' पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के स्पांसर हैं – भारतीय स्टेट बैंक, नेटवेब टेक्नोलॉजीज और हॉस्पिमेडिकल।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मानव–कम्प्युटर के बीच परस्पर संबंध की अग्रणी विधा आने से भारतीय ज्ञान पद्धति (आईकेएस) की शिक्षा ने मानव शरीर, मन और चेतना के लिए इस पद्धति के महत्व को उजागर किया है। कार्यशाला में आईकेएस पर आधारित स्नातक के पाठ्यक्रम समेत इससे जुड़े शोध के विभिन्न विषयों पर संवाद और मंथन किया गया।

उद्घाटन समारोह के अपने संबोधन में मुख्य अतिथि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय में सचिव के श्री संजय मूर्ति ने कहा, "पारंपरिक ज्ञान को विज्ञान में बदले का अवसर आ गया है। यह समय की मांग है। इसलिए इस ज्ञान पद्धति की उपयोगिता और व्यापक उपयोग के मद्देनजर इसे मानक रूप देकर सार्वजनिक तौर पर सुलभ कराना होगा। इसके लिए बढ़–चढ़ कर प्रचार करने या फिर बिना प्रमाण के दावे करने की जरूरत नहीं है। मुझे खुशी है कि आईआईटी मंडी ने भारतीय ज्ञान पद्धति को बकायदा वैज्ञानिक शिक्षा का रूप देने के लिए यह कदम उठाया है। भारत में मानसिक स्वास्थ्य कलंक का मसला बन जाता है जबकि आज युवा और बुजुर्ग समान रूप से विभिन्न मानसिक विकारों से पीड़ित हैं। इसलिए भारतीय ज्ञान पद्धति से इस समस्या का हल ढूंढ़ना होगा। इसके लिए संपूर्ण बुनियादी व्यवस्था करनी होगी जिसे भारतीय सहज स्वीकार करें।''

आईआईटी मंडी के इस प्रोग्राम में बायो–सिग्नल जैसे कि इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राम (ईईजी), मस्तिष्क इमेजिंग, के साथ–साथ वर्चुअल वास्तविकता–आधारित इमर्सिव न्यूरॉन–फीडबैक का उपयोग करते हुए भारतीय ज्ञान पद्धति से मानसिक स्वास्थ्य के समाधान हेतु वैज्ञानिक नवाचार करने का लक्ष्य है। इस तरह आईकेएस और मानसिक स्वास्थ्य दोनों चुनौतियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण से लाभ लेने की सुविधा होगी।

कार्यशाला का महत्व बताते हुए आईआईटी मंडी के निदेशक प्रोफेसर लक्ष्मीधर बेहरा ने कहा कि आईकेएस की आधारभूत परिकल्पना यह है कि पदार्थ अपने प्रारंभिक (सूक्ष्म) रूप में संज्ञान है और इसलिए संज्ञान भावनाएं और व्यवहार किसी भी जटिल आणविक संयोजन के आकस्मिक गुण नहीं हैं।

प्रो. बेहरा ने कार्यशाला के प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा, ''क्या मन केवल क्रियाशील मस्तिष्क है या अनुभव आधारित विज्ञान में ज्ञात किसी भी मौलिक वस्तु की तुलना में अधिक मौलिक वस्तु है? यहां तक कि नोबेल पुरस्कार विजेता क्रिस्टोफ कोच ने भी अपना दृष्टिकोण बदल कर मन को अधिक मौलिक वस्तु मान लिया है। संज्ञान को समझना ना केवल विज्ञान का बहुत ही मौलिक प्रश्न है बल्कि इसमें प्राकृतिक विज्ञान और संबंधित प्रौद्योगिकी के प्रचलन को बदलने की क्षमता भी है जो कि सौहार्द्रपूर्ण और स्थायी अस्तित्व के लिए पूरक भी है।''.

प्रोफेसर बेहरा ने बताया कि आईकेएस के हाल के अध्ययन में कैसे योग, ध्यान, संगीत, संस्कृत, और अन्य रूपों में प्रदर्शन कलाओं के चिकित्सा गुण भी पाए गए। ये संज्ञान में वृद्धि, तनाव मुक्ति, हताशा दूर करने के संदर्भ में मनुष्य की मानसिक प्रकृति प्रदर्शित करते हैं। ''जीव–वैज्ञानिक संकेत जैसे इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राम (ईईजी) और कार्यरत मस्तिष्क की तस्वीरों के साथ–साथ वर्चुअल वास्तविकता–आधारित न्यूरो–फीडबैक के दृष्टिकोण से वैज्ञानिक नवाचारों के नए युग की शुरुआत हुई है जिसमें आईकेएस के कई दावों को सत्यापित और मानकीकृत किया जा सकता है ताकि सभी इनका प्रभावी उपयोग करें,'' उन्होंने बताया।

कार्यशाला में भारतीय ज्ञान पद्धति के शिक्षाविद, उद्योग जगत के जानकार, शोधकर्ता, विशेषज्ञ और व्यवसायी शामिल थे। प्रतिभागियों ने विशेषज्ञतापूर्ण प्रस्तुतियों, पोस्टर सत्रों, पैनल चर्चाओं और मंथन के सत्रों में आईकेएस और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया।

अपने स्वागत संबोधन में डॉ. वरुण दत्त, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी मंडी ने कहा, "अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मनुष्य–कंप्यूटर संबंध से संचालित इस दुनिया में भारतीय ज्ञान पद्धति (आईकेएस) की शिक्षा पहली बार सुनने में एक शहरी किंवदंती लग सकती है लेकिन हाल के शोध से यह स्पष्ट है कि आईकेएस का मानव शरीर, मानसिक स्वास्थ्य और सुखी रहने में बड़ा महत्व है और यह बहुत लाभदायक है। वास्तव में, आईकेएस की जड़ें गहरी हैं जो भारतीय इतिहास, दर्शन, समाज, कला, भाषा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञान में समाई हैं।''

कार्यशाला के उद्देश्यों के बारे में आदरणीय अतिथि पद्म श्री आचार्य नागेंद्र ने कहा, "मैं इस तरह का आयोजन करने के लिए सबसे पहले आईआईटी मंडी को बधाई देता हूं। इसमें पूरी दुनिया के विशेषज्ञ भारतीय ज्ञान पद्धति के बारे में अपना ज्ञान साझा करने एकजुट हुए हैं। आज मानसिक स्वास्थ्य पूरी दुनिया में बड़ी चिंता का विषय बन गया है इसलिए यह जरूरी है कि हम फिर से भारतीय ज्ञान पद्धति में वापस जाएं और बेहतर जीवन जीने में सहायक समधान ढूंढ़ निकालें।''

कार्यशाला में आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी खड़गपुर, कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी (बीएचयू) एम्स नई दिल्ली, एम्स ऋषिकेश, आईएनएमएएस डीआरडीओ, ग्रोनिंगन युनिवर्सीटी, पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज, क्रिएटिव मूवमेंट थेरेपी एसोसिएशन ऑफ इंडिया, महर्षि मार्कंडेश्वर यूनिवर्सिटी, एसआईवीएएस हेल्थ रिसर्च इंस्टीट्यूट, सिकंदराबाद, यूएस डिपार्टमेंट ऑफ वेटरन्स अफेयर्स, यूएसए, लोयोला मैरीमाउंट यूनिवर्सिटी, टेक्सस यूनिवर्सिटी, बीइंग एआई और ब्रीदिंग माइंड्स के विशेषज्ञों की भागीदारी रही।

कार्यशाला में मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में सहायक भारतीय ज्ञान पद्धति, योग और ध्यान; मानसिक स्वास्थ्य में सहायक कला के विभिन्न रूपों और आयुर्वेद, मनोविज्ञान के विषयों पर विमर्श किए गए और विचार–मंथन के सत्र भी इस आयोजन के मुख्य आकर्षण रहे। गहन विचार–विमर्श के बाद भारतीय ज्ञान पद्धति और मानसिक स्वास्थ्य (आईकेएसएमएच) के इस अभूतपूर्व प्रोग्राम की रूपरेखा तय की गई।

इस अवसर पर स्वागत संबोधन स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी मंडी में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. वरुण दत्त और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अर्णव भवसार, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी मंडी ने किया।

###

About IIT Mandi

IIT Mandi has four Academic Schools and three major Research Centers. The Schools are: School of Computing and Electrical Engineering, School of Basic Sciences, School of Engineering, and School of Humanities and Social Sciences. The Centers are: Advanced Materials Research Centre (AMRC; set up with an investment of Rs. 60 crores), Centre for Design and Fabrication of Electrical Devices (C4DFED; has Rs. 50 crores worth of fabrication tools), and BioX Centre (has acquired research equipment worth Rs. 15 crores).

The unique, project-oriented B.Tech. curriculum is centred around its 4-year long Design and Innovation stream. From August 2019, IIT Mandi started 3 new and unique B. Tech. programmes in Data Science and Engineering, Engineering Physics, and Dual Degree in Bioengineering. Since the inception of the Institute, IIT Mandi faculty have been involved in over 275 Research and Development (R&D) projects worth more than Rs. 120 crore.

IIT Mandi set up the IIT Mandi iHub and HCI Foundation (iHub; a section-8 company) on its campus at Kamand with significant funding of INR 110 crores from the Department of Science and Technology (DST), Government of India. The iHub is planned to fuel research and technology development, skill development, startup and innovation, and collaborations in the HCI and allied AI/ML areas in India. IIT Mandi is the only second-generation IIT to be featured at rank no. 7 in the Atal Ranking of Institutions on Innovation Achievements of the Innovation Cell, Ministry of Education, Govt. of India.

Twitter: @iit__mandi
Facebook: IIT Mandi
Website: https://www.iitmandi.ac.in

Media contact for IIT Mandi:
IIT Mandi Media Cell: mediacell@iitmandi.ac.in / **Landline:** 01905267832
Bhavani Giddu - Footprint Global Communications
Cell: 9999500262 / Email: bhavani.giddu@footprintglobal.com
Shai Venkatraman - Footprint Global Communications
Cell: 98202 98587 / Email: shai.venkatraman@footprintglobal.com
Kajal Yadav - Footprint Global Communications
Cell: 88059 66194 / Email ID: kajal.yadav@footprintglobal.com
Vishwani Mahajan - Footprint Global Communications
Cell: 98733 52293 / Email ID: vishwani.mahajan@footprintglobal.com